माँ शेरावाली जग से निराली भजन लिरिक्स

माँ शेरावाली जग से निराली,

दोहा – माँ की ममता से,
सुकून मिलता है,
माँ की ज्योति से,
नूर मिलता है,
जो भी सच्चे मन से,
मैया के दर पे आता है,
कुछ ना कुछ तो जरूर मिलता है।

माँ शेरावाली जग से निराली,
सुनती है सबकी,
आये जो भी दर पे,
मैं भी दर पे तेरे आ गया,
मैं मालामाल हो गया,
मैं मालामाल हो गया।bd।

तेरी दया से ओ मेरी मैया,
काम हमारा चलता है,
तेरे ही सहारे से मेरी मैया,
परिवार मेरा पलता है,
इतनी कृपा बस करना ओ मैया,
संग हमेश रहना ओ मैया,
मुझको तेरा दर ओ मैया भा गया,
मैं मालामाल हो गया,
मैं मालामाल हो गया।bd।

बीच भवर में नाव फसी जब,
तुमने किनारे लगाया माँ,
इस जग में है सबको मैया,
एक तेरा ही सहारा माँ,
एक नज़र कृपा की कर दो,
झोली है खाली मेरी भर दो,
माँगा जिसने तेरे दर से पा गया,
मैं मालामाल हो गया,
मैं मालामाल हो गया।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

तेरी महिमा जग से निराली,
जीवन का बस सार है तू,
तुम सत्यम तुम शिवम सुंदरम,
हम सब चपल जी तेरे तू,
कण कण में है वास तुम्हारा,
मेरे ह्रदय में नाम तुम्हारा,
सच्चे दिल से जिसने चाहा पा गया,
मैं मालामाल हो गया,
मैं मालामाल हो गया।bd।

माँ शेरावाली जग से निराली,
सुनती है सबकी,
आये जो भी दर पे,
मैं भी दर पे तेरे आ गया,
मैं मालामाल हो गया,
मैं मालामाल हो गया।bd।

Singer – Vineet Dubey

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com